Expansion of Indian Oxygen Ltd., with Foreign Collaboration

3259. DR. RANEN SEN : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) whether the Indian Oxygen Ltd., has submitted to Government any expansion plan with foreign collaboration;

(b) whether the Company has fully utilised the licences got since 1961; and

(c) if not, the steps taken by Government in this regard ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT (SHRI SIDDHESHWAR PRASAD): (a) M/s. Indian Oxygen Ltd., Calcutta submitted two applications for foreign collaboration in 1969, which have since been disposed of. No further application for foreign collaboration has been received from the party.

(b) and (c). Since 1968, 8 industrial licences have been granted to the firm, 4 of which are 'carrying-on-business' 1 'shifting' within the same State, 1 'substantial expansion' and 2 'new articles'. The last three are under implementation.

T. V. Station at Srinagar

3260. DR. SANKATA PRASAD : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state :

(a) when Srinagar T. V. Station is likely to start functioning; and
(b) the total expenditure likely to be incurred thereon and the total number of persons likely to be benefited therefrom?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRIMATI NANDINI SATPATHY) (a) By the end of 1972.

(b) The total expenditure to be incurred is estimated at Rs. 305 lakhs. The total number of persons likely to be covered is about 25 lakhs.

राजस्थान और जम्मू काश्मीर में पाकिस्तानी

3261 **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार द्वारा एकत्रित जानकारी के आधार पर राजस्थान और जम्मू और काश्मीर में जिलावार इस समय ऐसे कितने पाकिस्तानी नागरिक हैं जो वैध पारपत्र पर भारत आए परन्तु पारपत्र अथवा वीजा की अवधि में वृद्धि कराए बिना भूमिगत हो गये: और

(ख) उनको निकाल बाहर करने के लिए भारत सरकार ने अबतक क्या कदम उठाए है अथवा भविष्य मे उठाने का विचार है ?

गृह मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री एफ० एच० मोहसिन): (क) 30 नवम्बर, 1971 को राजस्थान मे उनकी सख्या 168 और जम्मू व काश्मीर मे शून्य थी। राजस्थान के सम्बन्ध मे जिलेवार सूचना उपलब्ध नही है।

(ख) पता लगाओ नोटिसो के जारी करने के अतिरिक्त उन्हे खोजने और कानून के अनुसार उनके विरुद्ध कार्रवाई करने के प्रभावी प्रयत्न किए जा रहे हैं।

उज्जैन से प्रकाशित 'अवन्तिका' द्वारा गलत प्रकाशन संख्या देना

3262. **श्री हुकमचन्द कछवाय** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए 'अवन्तिका' को दी गई सरकारी धनराशि की वसूली के बारे मे 1 दिसम्बर, 1971 के अतारांकित प्रश्न सख्या 2381 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि सरकार द्वारा आंकी गई वास्तविक प्रकाशन संख्या क्या है तथा इस समाचार पत्र को कितना वार्षिक अखबारी कागज का कोटा दिया गया ?